तिरुचिरापल्ली की प्रबंधन संस्था का मार्गदर्शन कर रहा एक्सआइएसएस

कार्यक्रम में शामिल प्राध्यापक.

वरीय संवाददाता,रांची

एक्सआइएसएस रांची में मंगलवार को चार दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का समापन हुआ. इसमें संस्था ने तिरुचिरापल्ली के संत जोसेफ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (जिम) से पहुंचे प्राध्यापकों को प्रशिक्षण दिया. प्रशिक्षण कार्यक्रम में विषय 'बिजनेस एजुकेशन एंड इंडस्ट्री 5.0' पर चर्चा हुई. निदेशक डॉ जोसेफ मरियानूस कुजूर एसजे ने कहा कि मशीनों के एकीकरण से मनुष्यों के सामने मौजूदा चुनौतियां हल होंगी. इससे सशक्त उद्योग का निर्माण संभव है. वहीं, जिम के निदेशक डॉ पॉल राज एसजे ने कहा कि नये संस्थान को आगे बढ़ाने में स्थापित संस्थान का सहयोग मिले, तो शिक्षा का विकास संभव है. वहीं, डीन एकेडमिक डॉ अमर तिग्गा ने इंडस्ट्री 5.0 के परिदृश्य, जरूरी कौशल और ज्ञान विषय पर प्रकाश डाला. फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के पहले दिन टाटा स्टील के बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन एंड डिजिटल सॉल्यूशन चीफ सरजीत झा और ट्रिपल आइटी रांची की डॉ कीर्ति कुमार ने बिजनेस एजुकेशन एंड इंडस्ट्री के विकास में उच्च शिक्षा के अनुप्रयोग पर चर्चा की. जिम के प्राध्यापकों को एक्सएलआरआइ जमशेदपुर कैंपस का भी भ्रमण कराया गया.

PRESS:PRABHAT KHABAR

मशीनों के एकीकरण से चुनौतियां होंगी हल : कुजूर

- एक्सआईएसएस में संकाय संवर्द्धन पर कार्यक्रम शुरू
- बिजनेस एजुकेशन एंड इंडस्ट्री विषय पर चार दिनी कार्यक्रम

रांची, विशेष संवाददाता। जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) रांची ने सेंट जोसेफ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (जेआईएम) तिरुचिरापल्ली के फैकल्टी के लिए बिजनेस एजुकेशन एंड इंडस्ट्री 5.0 विषय पर 4 दिनी संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम शुरू किया। व्यावसायिक शिक्षा के विकसित परिदृश्य पर शिक्षकों को बढ़ाने की पहल और मानव-केंद्रित दृष्टिकोण, स्थिरता एफडीपी का उद्देश्य है।

एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसेफ मारियानुस कुजूर ने मौके पर कहा कि मशीनों के एकीकरण से मनुष्यों को सशक्त बनाने से जटिल चुनौतियों को हल करने में मदद मिलेगी। जेआईएम के निदेशक डॉ पॉल राज ने नए संस्थानों को आगे बढ़ाने के लिए मजबूत संस्थानों की आवश्यकता पर बल दिया। डीन अकादमिक डॉ अमर ई तिग्गा ने भी विचार रखे। एफडीपी के पहले दिन टाटा स्टील के बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन एंड डिजिटल सॉल्यूशन चीफ सरजीत झा, ट्रिपल आईटी रांची की डॉ कीर्ति कुमार, डॉ अमर तिग्गा, डॉ भास्कर भवानी ने भी विचार साझा किए।

PRESS:HINDUSTAN

मशीनों के एकीकरण से जटिल चुनौतियों का हल संभव : जोसेफ

एक्सआइएसएस में आयोजित कार्यक्रम में शामिल निदेशक व अन्य ● जागरण

एक्सआइएसएस ने जेआइएम त्रिची के फैकल्टी के लिए बिजनेस एजुकेशन एंड इंडस्ट्री 5.0 विषय पर एफडीपी का किया आयोजन

जागरण संवाददाता, रांची : जेवियर इंस्टीट्यूट आफ सोशल सर्विस (एक्सआइएसएस) रांची ने संत जोसेफ इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट (जेआइएम) तिरुचिरापल्ली के फैकल्टी के लिए बिजनेस एजुकेशन एंड इंडस्ट्री 5.0 विषय पर चार दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) की शुरुआत मंगलवार को की।

इंडस्ट्री 5.0 व्यावसायिक शिक्षा के विकसित परिदृश्य पर शिक्षकों को बढ़ाने की पहल के साथ मानव-केंद्रित दृष्टिकोण, स्थिरता और उन्नत प्रौद्योगिकी एकीकरण का महत्व इस एफडीपी का एजेंडा है। एक्सआइएसएस के निदेशक डा. जोसेफ मारियानुस कुजूर एसजे ने कहा कि मशीनों के एकीकरण के माध्यम से मनुष्यों को सशक्त बनाने की जटिल चुनौतियों को हल करने में मदद मिल सकती है। संत इग्नेशियस के मूल्य इंडस्ट्री 5.0 के लिए एक मार्गदर्शक दृष्टिकोण हैं, जो मानव-केंद्रित पैटर्न में मानव और मशीन सहयोग दोनों की क्षमता का दोहन करने पर केंद्रित है। कार्यक्रम में जेआइएम के निदेशक डा. पाल राज एसजे ने संस्थानों को आगे बढ़ाने के लिए मजबूती पर बल दिया। उन्होंने मार्गदर्शन और सीखने के महत्व को पारस्परिक विकास की कुंजी बताया। डीन एकेडमिक डा. अमर तिग्गा, टाटा स्टील के बिजनेस ट्रांसफार्मेशन एंड डिजिटल साल्यूशन चीफ सरजीत झा, ट्रिपल आइटी रांची की डा. कीर्ति कुमार ने उच्च शिक्षा में जेनएआइ के अनुप्रयोग पर चर्चा की। एकक्रेडीटेशन प्रक्रिया एवं इंटरनेट मीडिया के माध्यम से ब्रांड मैनेजमेंट प्रक्रिया और ब्रांड निर्माण के सत्र को आयुर्शी और श्रुति सहाय ने प्रस्तुत किया। वहीं वर्तमान परिदृश्य में लेखन और प्रकाशन कौशल पर एक सत्र डा. अनंत कुमार और डा. अनिरुद्ध प्रसाद ने आयोजित की।

PRESS:DAINIK JAGRAN

XISS organised FDP on Business Education and Industry 5.0 for JIM Trichy Faculty

Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi, began a four-day Faculty Development Programme (FDP) on Business Education and Industry 5.0 for the faculty of St. Joseph's Institute of Management (JIM), Tiruchirappalli on Monday in its campus. Earlier on Sunday, upon the arrival, welcoming and ice breaking sessions were organised.

With an initiative to enhance educators on the evolving landscape of business education in the context of Industry 5.0, importance of human-centric approaches, sustainability, and advanced technology integration was the agenda of this FDP.

Dr Joseph Marianus Kujur SJ, Director, XISS, greeted the participants of the FDP and while taking a session on Jesuit Values emphasised said, "Empowering humans through the integration of machines can help solve complex challenges and we must explore the humanitarian aspect of Industry 5.0 with respect for human rights and spirituality in the workplace. It is the right time to explore the nuances of Ignatian Inspiration Paradigm (IIP) in context to changing landscape of business education. St. Ignatius' values are a guiding approach for Industry 5.0, which focuses on harnessing the potential of both human and machine collaboration in a human-centric pattern." Further in his address, he cited examples drawing on historical lessons from the Nazi concentration camps, where education without morality led to devastation.

Moving further, Dr Paul Raj SJ, Director, JIM addressed the gathering, reinforcing the need for stronger institutions to support newer ones. He elaborately discussed that importance of guidance and shared learning are key to mutual growth.

Earlier, Dr Amar E. Tigga, Dean Academics, set the agenda of the FDP as equipping participants with the skills and knowledge required for Industry 5.0, particularly in terms of balancing technology with human values. He said that we wish to build a collaborative learning method to achieve academic and professional targets. The convergence of advanced technologies in business operations is the correct way to discuss more which will prepare the faculty and students for the challenges and opportunities presented by the future of machine learning.

The day further marked several crucial sessions including Business Education and Industry 5.0 by Mr Sarajit Jha, Chief Business Transformation & Digital Solution, Tata Steel followed by Application of GenAI in Higher Education by Dr Kirti Kumar, IIIT Ranchi. A session on Use of Technology in Higher Education - Admission to Alumni was conducted by Dr Amar Tigga and Dr Bhaskar Bhowani, Professor & Admission Coordinator continued with a session on Accreditation Process & Brand Building through Social Media by Ms Aayurshi, Brand Manager and Ms Shruti Sahay, Media Officer. The day concluded with a group work on the application possibility of the thoughts shared in the sessions.

On day two, an important session on Writing and Publication Skills in present scenario was conducted by Dr Anant Kumar, Professor & Head, Rural Management Programme and Dr Anirudh Prasad, Editor JJDMS. This was followed by a session on Accreditation - NBA; OBE by Dr Rishi Dwivedi. Further in the day, a session on Opportunities and Challenges in Projects or Consultancy was taken by Dr Sant Kumar Prasad, Coordinator, Research & Planning along with Dr Uma Chatterjee Saha, Assistant Professor. A session on Business Intelligence Tools for Educators was conducted by Dr Sharda Singh, Assistant Professor and this concluded the expert sessions where insights on innovative teaching methodologies, the impact of emerging technologies, and the importance of aligning academic curricula with industry needs were shared thoroughly. Later, participants engaged in interactive sessions, discussions, and discussions designed to foster collaboration and inspire new teaching strategies.

The second day concluded with the best takeaways from the classroom sessions of two days. On the final day of the FDP, all participants visited the XLRI Campus in Jamshedpur to explore more on the practices of the Jesuit B-School. Finally, the FDP ended with a vote of thanks and with a promise to apply the learnings in practices.

PRESS:MORNING INDIA

'बिजनस एजुकेशन एंड इंडस्ट्री 5.0' विषय पर चार दिवसीय कार्यक्रम

फ्रीडम फाइटर संवाददाता

रांची : जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस), रांची ने अपने परिसर में सोमवार को सेंट जोसेफ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (जेआईएम), तिरुचिरापल्ली के फैकल्टी के लिए बिजनस एजुकेशन एंड इंडस्ट्री 5.0 विषय पर चार-दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) शुरू किया। इससे पहले रविवार को उनके आगमन पर स्वागत एवं आइस ब्रेकिंग सत्र का आयोजन किया गया था। इंडस्ट्री 5.0 के संदर्भ में व्यावसायिक शिक्षा के विकसित परिदृश्य पर शिक्षकों को बढ़ाने की पहल के साथ, मानव-केंद्रित दृष्टिकोण, स्थिरता और उन्नत प्रौद्योगिकी एकीकरण का

महत्व इस एफडीपी का एजेंडा था। एक्सआईएसएस के निदेशक, डॉ जोसेफ मारियानुस कुजूर एसजे ने एफडीपी के प्रतिभागियों का अभिवादन किया और जेसुइट मूल्यों पर आधारित एक सत्र दे दौरान कहा, मशीनों के एकीकरण के माध्यम से मनुष्यों को सशक्त बनाने से जटिल चुनौतियों को हल करने में मदद मिल सकती है। सेंट इग्नेशियस के मूल्य इंडस्ट्री 5.0 के लिए एक मार्गदर्शक दृष्टिकोण हैं, जो मानव-केंद्रित पैटर्न में मानव और मशीन सहयोग दोनों की क्षमता का दोहन करने पर केंद्रित है। अपने संबोधन में आगे, उन्होंने नाजी एकाग्रता शिविरों से ऐतिहासिक सबक लेते हुए उदाहरण दिए, जहाँ नैतिकता के बिना शिक्षा ने तबाही मचाई। कार्यक्रम में जेआईएम के निदेशक, डॉ पॉल राज एसजे ने सभी को संबोधित किया और नए संस्थानों को आगे बढ़ाने के लिए मजबूत संस्थानों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विस्तार से चर्चा की कि मार्गदर्शन और साथ सीखने का महत्व पारस्परिक विकास की कुंजी है। इससे पहले, डीन अकादमिक, डॉ अमर ई. तिग्गा ने प्रतिभागियों को इंडस्ट्री 5.0 के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करने के लिए एफडीपी के एजेंडा निर्धारित किया, विशेष रूप से मानव मूल्यों के साथ प्रौद्योगिकी को संतुलित करने के संदर्भ में। उन्होंने कहा कि हम शैक्षणिक और व्यावसायिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक सहयोगी शिक्षण पद्धति का निर्माण करना चाहते हैं।

PRESS:FREEDOM FIGHTER

BREAKING NEWS LATEST NEWS कैंपस झारखण्ड

बिज़नस एजुकेशन एंड इंडस्ट्री 5.0 विषय पर एफडीपी का आयोजन

October 22, 2024 Lens Eye News Comment(0)

राची, झारखण्ड | अक्टूबर 22, 2024 ::

जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस), रांची ने अपने परिसर में सोमवार को सेंट जोसेफ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (जेआईएम), तिरुचिरापल्ली के फैकल्टी के लिए बिज़नस एजुकेशन एंड इंडस्ट्री 5.0 विषय पर चार -दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) शुरू किया। इससे पहले रविवार को उनके आगमन पर स्वागत एवं आइस ब्रेकिंग सत्र का आयोजन किया गया था।

इंडस्ट्री 5.0 के संदर्भ में व्यावसायिक शिक्षा के विकसित परिदृश्य पर शिक्षकों को बढ़ाने की पहल के साथ, मानव-केंद्रित दृष्टिकोण, स्थिरता और उन्नत प्रौद्योगिकी एकीकरण का महत्व इस एफडीपी का एजेंडा था।

एक्सआईएसएस के निदेशक, डॉ जोसेफ मारियानुस कुजूर एसजे ने एफडीपी के प्रतिभागियों का अभिवादन किया और जेसुइट मूल्यों पर आधारित एक सत्र दे दौरान कहा, "मशीनों के एकीकरण के माध्यम से मनुष्यों को सशक्त बनाने से जटिल चुनौतियों को हल करने में मदद मिल सकती है। सेंट इग्नेशियस के मूल्य इंडस्ट्री 5.0 के लिए एक मार्गदर्शक दृष्टिकोण हैं, जो मानव-केंद्रित पैटर्न में मानव और मशीन सहयोग दोनों की क्षमता का दोहन करने पर केंद्रित है। अपने संबोधन में आगे, उन्होंने नाजी एकाग्रता शिविरों से ऐतिहासिक सबक लेते हुए उदाहरण दिए, जहाँ नैतिकता के बिना शिक्षा ने तबाही मचाई।

PRESS:LENS EYE NEWS

बिज़नस एजुकेशन एंड इंडस्ट्री 5.0 विषय पर एफडीपी का आयोजन

राची, झारखण्ड | अक्टूबर 22, 2024 ::
जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस), रांची ने अपने परिसर में सोमवार को सेंट जोसेफ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (जेआईएम), तिरुचिरापल्ली के फैकल्टी के लिए बिज़नस एजुकेशन एंड इंडस्ट्री 5.0 विषय पर चार -दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) शुरू किया।इससे पहले रविवार को उनके आगमन पर स्वागत एवं आइस ब्रेकिंग सत्र का आयोजन किया गया था।
इंडस्ट्री 5.0 के संदर्भ में व्यावसायिक शिक्षा के विकसित परिदृश्य पर शिक्षकों को बढ़ाने की पहल के साथ,

मानव-केंद्रित दृष्टिकोण, स्थिरता और उन्नत प्रौद्योगिकी एकीकरण का महत्व इस एफडीपी का एजेंडा था। एक्सआईएसएस के निदेशक, डॉ जोसेफ मारियानुस कुजूर एसजे ने एफडीपी के प्रतिभागियों का अभिवादन किया और जेसुइट मूल्यों पर आधारित एक सत्र दे दौरान कहा, "मशीनों के एकीकरण के माध्यम से मनुष्यों को सशक्त बनाने से जटिल चुनौतियों को हल करने में मदद मिल सकती है। सेंट इग्नेशियस के मूल्य इंडस्ट्री 5.0 के लिए एक मार्गदर्शक दृष्टिकोण हैं, जो मानव-केंद्रित पैटर्न में मानव और मशीन सहयोग दोनों की क्षमता का दोहन करने पर केंद्रित है। अपने संबोधन में आगे, उन्होंने नाजी एकाग्रता शिविरों से ऐतिहासिक सबक लेते हुए उदाहरण दिए, जहाँ नैतिकता के बिना शिक्षा ने तबाही मचाई।
कार्यक्रम में जेआईएम के निदेशक, डॉ पॉल राज एसजे ने सभी को संबोधित किया और नए संस्थानों को आगे बढ़ाने के लिए मजबूत संस्थानों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विस्तार से चर्चा की कि मार्गदर्शन और साथ सीखने का महत्व पारस्परिक विकास की कुंजी है। इससे पहले, डीन अकादमिक, डॉ अमर ई. तिग्गा ने प्रतिभागियों को इंडस्ट्री 5.0 के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करने के लिए एफडीपी के एजेंडा

PRESS:NEWSROOM